एक फोटोशूट ने बदली लड़की की जिंदगी, कभी खुद से करती थी नफरत

मुंबई, 12 जुलाई(ए)। सोशल मीडिया वैबसाइट फेसबुक ने एक लड़की की जिंदगी के बारे में बताया है जिसे अपने रूप-रंग, त्वचा और शारीरिक दिखावट के लिए लोगों द्वारा कमैंट्स किए जाते थे जिसकी वजह से वे डरी-सहमी रहने लगी और खुद को दुनिया से दूर रखने लगी। पोस्ट में लड़की के हवाले से लिखा है कि मुझे गहरे रंग और विदेशी जैसे लगने वाले रूप के लिए शर्मिंदा किया जाता था। मुझसे कहा जाता था कि तुम 'फेयर एंड लवली' इस्तेमाल क्यों नहीं करती। इसके बाद कॉलेज में भी मेरे साथ बुरा व्यवहार होता रहता था। सीनियर्स द्वारा मुझे बुली करने के लिए तौलिए में फोटोशूट करने के लिए कहा गया और मैंने भोलेपन में उसके लिए हां कह दिया मगर इस फोटोशूट के बाद मुझे अपने आप से प्यार होने लगा और खोया हुआ आत्मविश्वास वापस आ गया जिसके बाद आज मैंने अपने करियर को मजबूत कर लिया है और उन सभी लोगों को एक जवाब दिया है जो बचपन में मुझे बुली करते थे।

कश्मीर के त्रेहगाम में प्रदर्शनों को रोकने के लिए प्रतिबंध लागू

श्रीनगर, 2 जुलाई(ए)। नार्थ कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में प्रदर्शनों को रोकने के लिए प्रशासन ने प्रतिबंध लगा दिये हैं। देर रात सेना की कार्रवाई में एक युवक की मौत हो जाने से क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार त्रेहगाम जाने वाले सारे मार्गों को बंद कर दिया गया है। पूरे क्षेत्र में सुरक्षाबलों की भारी तैनाती की गई है। खालिद गफार मलिक के शव को अभी दफनाना बाकी है और मस्जिद से उसके जनाजे की घोषणा भी की गई थी। गौरतलब है कि कल देर शाम सुरक्षाबलों पर युवकों ने पत्थराव किया था। भीड़ को काबू में करने के लिए सुरक्षाबलों ने गोलीबारी की जिसमें एक युवक की मौत हो गई। त्रेहगाम कुपवाड़ा के चोकीबल रोड पर स्थित है और यह कुपवाड़ा से करीब आठ से दस किलोमीटर दूर है।

आध्यात्मिक गुरु दादा वासवानी का 99 साल की उम्र में निधन

पुणे, 2 जुलाई(ए)। साधु वासवानी मिशन के प्रमुख एवं आध्यात्मिक गुरू दादा जे पी वासवानी का 99 साल की उम्र में आज निधन हो गया। मिशन की एक सदस्य ने बताया कि उम्र संबंधी बीमारियों के चलते उनका निधन हो गया। मिशन की सदस्य ने कहा,उन्हें पिछले दिनों शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उन्हें कल रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी। '' उन्होंने बताया कि वासवानी का आज सुबह मिशन के परिसर में निधन हो गया। सदस्य ने बताया कि अगले महीने वासवानी का 100 वां जन्मदिन मनाया जाना था जिसके लिए मिशन बड़े समारोह की योजना बना रहा था। दो अगस्त 1918 को पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में जन्मे दादा वासवानी पुणे के एक एनजीओ - साधु वासवानी मिशन के प्रमुख थे। यह संस्था सामाजिक और दान - पुण्य संबंधी कार्य करती है। वासवानी के 99 वें जन्मदिन पर आयोजित समारोह को पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो लिंक के जरिए संबोधित किया था। इस साल मई में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी उनके मिशन पहुंचे थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी भी अक्सर मिशन आते थे।

आईएएस अधिकारी के शरारतपूर्ण ट्वीट का राजनीतिकरण कर रहे उमर : भाजपा

जम्मू, 2 जुलाई(ए)। भाजपा की जम्मू - कश्मीर इकाई ने एक विवादित ट्वीट करने वाले आईएएस अधिकारी शाह फैसल का बचाव करने पर आज नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर निशाना साधा। भाजपा ने उमर पर आरोप लगाया कि वह मामले का राजनीतिकरण और सांप्रदायीकरण कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अनिल गुप्ता ने आरोप लगाया कि 2010 बैच के आईएएस टॉपर फैसल का ट्वीट '' शरारत पूर्ण'' था। फैसल ऐसे गुमराह अधिकारी हैं जो पहले भी व्यवस्था के खिलाफ कई ट्वीट कर चुके हैं। गुप्ता ने एक बयान में कहा, ''उमर अब्दुल्ला न केवल फैसल के ट्वीट, जिसमें उन्होंने भारत को 'रेपिस्तान' करार दिया है, का समर्थन कर रहे हैं बल्कि मामले का राजनीतिकरण कर रहे हैं और उन्हें (फैसल को) जारी किए गए कारण बताओ नोटिस में से चुनिंदा चीजों का हवाला देकर मामले को हल्का बनाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि फैसल का समर्थन करके उमर ने मामले का राजनीतिकरण कर दिया है।

अमित शाह ने की नीतीश से मुलाकात, अटकलों का बाजार गर्म

पटना, 2 जुलाई(ए)। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नाश्ते पर मुलाकात की और माना जा रहा है कि इस दौरान दोनों ने अगले वर्ष होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक हालात पर चर्चा की। शाह रांची से सुबह यहां पहुंचे और हवाई अड्डे पर भाजपा कार्यकर्ताओं तथा पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष नित्यानंद राय सहित वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने सरकार प्रतिबद्ध : मोदी

नयी दिल्ली, 12 जुलाई (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिये महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना जरूरी है और उनकी सरकार ने पिछले चार वर्षों में दीनदयालय अंत्योदय योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी योजनाओं के जरिये गरीबों खासकर महिलाओं को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के साथ पहल की है। प्रधानमंत्री ने नरेन्द्र मोदी एप के माध्यम से देशभर के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि महिला सशक्तीकरण हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है और इसका उदाहरण है कि हमारी सरकार बनने से पहले 2011 से 2014 के बीच पांच लाख स्वयं सहायता समूह बने और सिर्फ 50 से 52 लाख परिवार इससे जुड़े थे। जबकि हमारी सरकार बनने के बाद 2014 से 2018 के बीच 20 लाख स्वयं सहायता समूह बने। इस प्रकार इनकी संख्या में चार गुणा वृद्धि दर्ज की गई और पहले की तुलना में चार गुणा अधिक परिवार इनसे जुड़े। यह माताओं, महिलाओं के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मोदी ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि आज देशभर की एक करोड़ से ज्यादा महिलाओं से संवाद करने का अवसर मिला है जो अपने आप में संकल्प, उद्यमशीलता और सामूहिक प्रयासों का एक प्रेरणादायी उदाहरण है।उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान की गरीब महिलाएं दुनिया के विश्वविद्यालयों को टीम भावना, मिलजुल कर काम करने और काम के बंटवारे का पाठ पढ़ा सकती हैं।मोदी ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की जब हम बात करते हैं तो सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता महिलाओं को स्वयं की शक्तियों को, अपनी योग्यता को, अपने हुनर को पहचानने का अवसर उपलब्ध कराने की होती है।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज आप किसी भी सेक्टर को देखें, तो आपको वहां पर महिलाएं बड़ी संख्या में काम करती हुए दिखेंगी। देश के कृषि क्षेत्र, डेयरी क्षेत्र की तो महिलाओं के योगदान के बिना कल्पना ही नहीं की जा सकती है।

मोदी ने कहा कि हमारे देश के ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्यमियों के लिए, श्रमिकों के लिए स्वयं सहायता समूह बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये समूह एक तरह से गरीबों, खासकर महिलाओं की आर्थिक उन्नति का आधार बने हैं। ये ग्रुप महिलाओं को जागरूक कर रहे हैं, उन्हें आर्थिक और सामाजिक तौर पर मजबूत भी बना रहे हैं।सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत देश भर की 2.5 लाख ग्राम पंचायतों में करोड़ों ग्रामीण गरीब परिवारों तक पहुंचने का, उन्हें स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना को सभी राज्यों में शुरू किया जा चुका है। मैं सभी राज्यों और वहां के अधिकारियों का भी अभिनन्दन करना चाहूंगा जिन्होंने इस योजना को लाखों-करोड़ों महिलाओं तक पहुंचा कर उनके जीवन में सुधार लाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह का यह नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है, अलग-अलग क्षेत्र और व्यवसायों से जुड़ा हुआ है। सरकार उन्हें आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, आर्थिक मदद और अवसर भी उपलब्ध करवा रही है।मोदी ने कहा कि दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार, दोनों के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है ताकि देश के युवा अपनी आशा-आकांक्षा के अनुरूप आगे बढ़ सकें।प्रधानमंत्री ने बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश समेत देश के विभिन्न प्रदेशों में कार्यरत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से उनका अनुभव जाना।

उन्होंने बिहार की अमृता देवी से हुए संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे पता चला कि कैसे सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव आया। मोदी ने कहा, ''बिहार के ही कुछ और उदाहरण हैं कि वहां स्वयं सहायता समूह के ढाई लाख से अधिक सदस्य प्रशिक्षण प्राप्त कर धान की बेहतर तरीके से खेती कर रहे हैं। इसी तरह लगभग 2 लाख सदस्य नए तरीक़ों से सब्जी की खेती कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के 22 जिलों में 122 बिहान बाजार आउटलेट बनाए गए हैं जहां स्वयं सहायता समूह के

यूपी में जन्मे कमलनाथ को एमपी से शायद उतना लगाव नहीं है : भूपेंद्र सिंह

इंदौर, 12 जुलाई (ए)। बलात्कार की बढ़ती घटनाओं के संदर्भ में मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की राज्य के बारे में विवादास्पद टिप्पणी को लेकर राज्य के गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह ने आज मूल निवासी का मुद्दा उठाते हुए उन पर निशाना साधा और कहा कि वह इस तरह की बयानबाजी इसलिये कर रहे हैं, क्योंकि मध्यप्रदेश उनकी (कमलनाथ) जन्मभूमि नहीं है। प्रदेश की भाजपा सरकार पर महिला विरोधी अपराधों पर नियंत्रण में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए कमलनाथ ने भोपाल में हाल ही में कथित तौर पर कहा था कि भाजपा के राज में मध्यप्रदेश बलात्कार प्रदेश बनता जा रहा है।

सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, कमलनाथ द्वारा मध्यप्रदेश के बारे में इस तरह के शब्दों का प्रयोग करना सूबे की सात करोड़ जनता की बेइज्जती है। उनके इन शब्दों से खासतौर पर राज्य की महिलाओं का अपमान हुआ है। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश कमलनाथ की जन्मभूमि नहीं है। इसलिये शायद उन्हें मध्यप्रदेश से उतना लगाव नहीं है। लेकिन जिस प्रदेश में वह रह रहे हैं, उसके बारे में गलत शब्दों का प्रयोग कतई उचित नहीं है।

गृह मंत्री ने कहा, मैं कमलनाथ को बताना चाहता हूं कि 1993 से 2003 के बीच दिग्विजय सिंह की अगुआई वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार के राज में मध्यप्रदेश सबसे ज्यादा बलात्कारों के मामले में देश के नम्बर-एक राज्य के पायदान पर हुआ करता था। लेकिन हमारी भाजपा सरकार के शासन में यह स्थिति नहीं है। कमलनाथ का जन्म उत्तरप्रदेश के औद्योगिक शहर कानपुर में 18 नवंबर 1946 को हुआ था। वह लम्बे समय से लोकसभा में मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा क्षेत्र की नुमाइंदगी कर रहे हैं।

सिंह ने पुलिस विभाग के कारिंदों को चेताते हुए कहा कि महिला अपराधों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के संबंध में किसी भी स्तर के कर्मचारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इस मामले में कर्तव्य के निर्वहन में चूक करने वाले बड़े से बड़े पुलिस अफसरों को भी नहीं बख्शा जायेगा।

नाखून कटवाने के बाद रिकॉर्ड बनाने वाले श्रीधर का हाथ हुआ बेजान

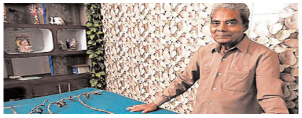

न्यूयार्क, 12 जुलाई (ए)। विश्व में सबसे लंबे नाखूनों का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराने वाले भारत के श्रीधर चिल्लाल ने आखिरकार अपने नाखूनों को कटवा लिया , लेकिन 31 फुट लंबे नाखून रखने के चलते उनका हाथ हमेशा के लिये बेजान हो गया है। 82 वर्षीय चिल्लाल 66 साल बाद अपने नाखून कटाने को राजी हुए थे। चिल्लाल टाइम्स स्क्वायर में रिप्लेज बिलीव इट ऑर नॉट ! संग्रहालय के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिये अमेरिका आये थे और इसी दौरान उन्होंने अपने नाखून कटवाये। उनके नाखून को रिप्लेज के संग्रहालय में रखा गया है। रिप्लेज के बयान के अनुसार तीन मंजिली इमारत के बराबर लंबाई वाले 31 फुट से अधिक लंबे उनके नाखून को एक केस में रखा गया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक चिल्लाल ने 1952 से अपने बांये हाथ के नाखूनों को नहीं काटा था। स्कूल के दिनों में चिल्लाल से गलती से शिक्षक का लंबा नाखून टूटने पर उनके शिक्षक ने डांट लगाई थी तभी से उन्होंने नाखून नहीं काटने का फैसला किया। चिल्लाल ने कहा कि मैंने इसे एक चुनौती की तरह लिया।

ट्रंप पर भड़की मर्केल : कहा- जर्मनी लेता है अपना स्वतंत्र फैसला

ब्रसेल्स, 12 जुलाई (ए)। जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा कि उनका देश स्वतंत्र रूप से अपने फैसले लेता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जर्मनी पर रूस के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया था। तनातनी वाले माहौल में नाटो की बैठक में हिस्सा लेने पहुंची मर्केल ने कहा, ''मैं खुद सोवियत संघ के कब्जे वाले जर्मनी के एक हिस्से में रह चुकी हूं।'' मर्केल का लालन-पालन वामपंथी प्रभाव वाले पूर्वी जर्मनी में हुआ था। उन्होंने कहा, ''मुझे गर्व है कि हम फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी की तरह आज एकजुट हैं और इसलिए हम अपनी स्वतंत्र नीतियां बनाते हैं और

पाकिस्तान में चुनावी रैली करेंगे लश्कर के आतंकी, हाफिज का बेटा भी मैदान में

पाकिस्तान, 12 जुलाई (ए)। पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है कि इस बार चुनावी रैलियों में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी रैलियां करेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जमात-उद दावा का मुखिया और मुंबई हमले का मास्टरमाइंड हाफिज सईद अपने बेटे के लिए लश्कर आतंकियों से प्रचार करा सकता है। हालांकि, पिछले दिनों ऐसी खबरें आ रही थीं कि चुनावी प्रचार-प्रसार के दौरान छह नेताओं को आतंकी अपना निशाना बना सकते हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी प्राधिकरण के मुताबिक जिन छह नेताओं पर आतंकी हमले की संभावनाएं जताई जा रही है उनमें हाफिज सईद का बेटा भी शामिल है। गौरतलब है कि पेशावर शहर में 10 जुलाई की रात को हुई एक चुनावी बैठक में संदिग्ध आत्मघाती विस्फोट हुआ था। जिसमें अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) के नेता हारून बिल्लौर सहित 14 लोगों की मौत हो गई।

बता दें कि याकातूत इलाके में हुए इस धमाके में करीब 65 लोग घायल हुए हैं जिन्हें पास के लेडी रीडिंग अस्पताल भेजा गया है। विस्फोट तब हुआ जब बिल्लौर और एएनपी के कार्यकर्ता पार्टी की एक बैठक के लिए एकत्र हुए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पत्नी मरियम शरीफ की एक करीबी रिश्तेदार हाफिज सईद की पार्टी के टिकट पर चुनाव मैदान में है।

लड़कियों को शिक्षित नहीं करने से आ रहा 150-300 खरब डॉलर का खर्च : विश्व बैंक

वाशिंगटन, 12 जुलाई (ए)। विश्व बैंक ने आज कहा कि लड़कियों को शिक्षित नहीं करने या उनकी स्कूली शिक्षा में बाधा डालने से विश्व पर 150 से 300 खरब डॉलर का भार पड़ता है। बैंक ने कहा कि कम आय वाले देशों में दो तिहाई से भी कम लड़कियां अपनी प्राथमिक शिक्षा पूरी कर पाती हैं और तीन में से केवल एक लड़की माध्यमिक स्कूल की पढ़ाई पूरी कर पाती है। विश्व बैंक ने संयुक्त राष्ट्र मलाला दिवस के मौके पर अपनी नई रिपोर्ट मिस्ड ऑपर्च्यूनिटीज = द हाई कॉस्ट ऑफ नॉट एजुकेटिंग गर्ल्स '' में इन परिणामों को लोगों के सामने रखा है।

रिपोर्ट में कहा गया कि कई वयस्क महिलाओं को युवावस्था में सार्वभौमिक माध्यमिक शिक्षा (12 साल की स्कूली शिक्षा) का लाभ नहीं मिलने के कारण आज मानव पूंजीगत धन में विश्व भर में 150 से 300 खरब डॉलर नुकसान हो रहा है। '' इसमें बताया गया कि औसतन जिन महिलाओं को माध्यमिक शिक्षा

RIGHT
TO
EDUCATION

प्राप्त है उनके काम कर के पैसा कमाने की संभावना उन महिलाओं से लगभग दोगुनी होती है जो अशिक्षित हैं।

नोबल पुरस्कार विजेता और मलाला फंड की सह संस्थापक मलाला यूसुफजई ने कहा , च्च् जब 13 करोड़ लड़कियां शिक्षा के अभाव में इंजीनियर या पत्रकार या सीईओ नहीं बन पातीं तो हमारे विश्व को खरबों डॉलर का नुकसान उठाना पड़ता है जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था , जन स्वास्थ्य और स्थिरता को मजबूत किया जा सकता है। '' यूसुफजई ने 12 जुलाई 2013 को अपने 16 वें जन्मदिन के मौके पर संयुक्त राष्ट्र में विश्वभर की महिलाओं को शिक्षित करने का आह्वान किया था। संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन को मलाला दिवस'' घोषित

सरकारी मीडिया का दावा, दारा शहर के लिए विद्रोहियों और सीरिया सरकार के बीच समझौता

दमिश्क, 12 जुलाई (ए)। सीरिया की सरकारी मीडिया ने सरकार और विद्रोहियों के बीच समझौता होने की पुष्टि की है। इस समझौते के तहत दक्षिणी शहर दारा के विद्रोही अपने भारी हथियारों को सौंपने के लिए तैयार हो गए हैं। इसी नाम के एक बड़े प्रांत के लिए समझौते की घोषणा की गई जिसे राष्ट्रपति बशर-अल-असद के खिलाफ 2011 में उभरे विरोध का मुख्य गढ़ माना जाता है हालांकि इस समझौते को तीन चरणों में पूरा किया जाएगा = पहले चरण में प्रांत का पूर्वी हिस्सा शामिल होगा फिर विद्रोहियों के कब्जे वाले प्रांत की राजधानी दारा और अंत में प्रांत का पश्चिमी हिस्सा इसके तहत आएगा। आकार के हथियार सौंपेंगे। साथ ही इसमें यह भी प्रावधान है कि लड़ाके सरकार के साथ समझौता कर वहां रह सकते हैं और जो समझौते से इंकार करेंगे वह शहर छोड़ कर जा सकते हैं। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने कल कहा , दारा अल - बलदाद में सीरियाई सरकार और आतंकवादी संगठनों के बीच एक समझौता हो गया है।

ब्रिटिश सांसद को नहीं मिली भारत में एंट्री, एयरपोर्ट से बैरंग लौटाया

लंदन, 12 जुलाई (ए)। ब्रिटेन के शीर्ष वकीलों में से एक व सांसद लॉर्ड एलेक्जेंडर का विमान बुधवार दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरा लेकिन उन्हें भारत में प्रवेश नहीं करने दिया गया और एयरपोर्ट से ही बैरंग लौटा दिया गया।

बता दें कि लॉर्ड एलेक्जेंडर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के कानूनी सलाहकार हैं। खालिदा इस वक्त ढाका की जेल में बंद हैं। ज्ञात हो कि 3 बार प्रधानमंत्री रह चुकीं खालिदा जिया (72) को इसी साल फरवरी में 'जिया ऑर्फनेज ट्रस्ट' को दिए जाने वाले अढ़ाई लाख डॉलर विदेशी चंदे के गबन से जुड़े मामले में पांच साल कैद की सजा सुनाई गई थी। इसी मामले को लेकर लॉर्ड एलेक्जेंडर बुधवार को दिल्ली आए थे, जहां उनके लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में वो खालिदा जिया पर लगाए गए आरोपों के बारे में अंतरराष्ट्रीय मीडिया को बताने वाले थे। लॉर्ड एलेक्जेंडर पर ये कार्रवाई उनके अमान्य वीजा को लेकर की गई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि भारत में उनकी इच्छित गतिविधि उनके वीजा आवेदन में उल्लिखित यात्रा के उद्देश्य से असंगत थी इसलिए उनके आगमन पर भारत में प्रवेश करने से इंकार कर दिया गया।

गौरतलब है कि एक वकील के नाते लॉर्ड एलेक्जेंडर को ढाका में प्रवेश की अनुमति नहीं है। इसीलिए वो भारत में प्रेस कॉन्फ्रेंस करना चाहते थे ताकि खालिदा ज़िया केस की जटिलताओं के बारे में अंतरराष्ट्रीय मीडिया समुदाय को रूबरू करा सकें। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा ज़िया के खिलाफ तीन दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एयरपोर्ट पर युवती ने कस्टम अधिकारियों के हाथ में रख दिया डब्ल्यूडब्ल्यू-2 का बम, मच गया हड़कंप

वियना, 12 जुलाई (ए)। अक्सर लोग घूमने जाते हैं तो पर्यटन स्थलों की याद के तौर पर कुछ न कुछ सामान साथ रख लेते हैं । ऐसा ही किया आर्स्ट्रिया आई अमरीका की एक महिला पर्यटक ने जिसने सोविनियर समझकर द्वितीय विश्व युद्ध के एक बम को अपने साथ रख लिया। आर्स्ट्रिया की राजधानी वियना अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उसने जब यह बम अधिकारियों के सामने रखा तो हड़कंप मच गया। 24 साल की यह अमरीकी महिला घूमने के लिए ऑस्ट्रिया आई थी। यहां पर हाइकिंग करते हुए उसे द्वितीय विश्व युद्ध से जुड़ा एक बम का गोला मिला। उसने बिना किसी पड़ताल के उसे अपने बैग में रख लिया। इस अमरीकी पर्यटक ने होटल पहुंच कर बम के गोले को साफ किया ताकि वह इसे जिन कपड़ों के आस-पास रखे वह गंदे न हो

जाएं। इसके बाद यह महिला पर्यटक होटल में अपने सामान की पैकिंग कर एयरपोर्ट पहुंच गई। यहां आकर उसने बड़ी ही मासूमियत से हवाईअड्डे के कस्टम अधिकारियों के हाथ में डब्ल्यूडब्ल्यू-2 का यह बम रख दिया और जानने की कोशिश की कि क्या वह इस गोले को सोविनियर श्रेणी में रखकर उड़ान भर सकती है। गोले को परखते ही कस्टम अधिकारियों के होश उड़ गए । बम का पता चलते ही हवाईअड्डे पर अफरा-तफरी मच गई और अधिकारियों ने तुरंत बम डिस्पोजल यूनिट को बुलाया। इस घटना के चलते एयरपोर्ट के आगमन और सामान वाले सेक्शन को 15 मिनट तक के लिए रोक दिया गया। बाद में इस पर्यटक महिला पर 4000 यूरो का जुर्माना भी लगाया गया।